नवोदय (Navodaya)

दिनाँक (Dated): 08/03/2025	पृष्ठ सं0 (Page No). 11	क्रम सं0(Serial No.) 10

मेडिकल, इंजीनियरिंग की शिक्षा तमिल में कराएं स्टालिन : शाह

रानीपेट, 7 मार्च (एजेंसी): तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक और भाजपा नीत केंद्र सरकार में भाषा के मुद्दे पर छिड़े विवाद के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन से राज्य में तमिल में इंजीनियरिंग और मेडिकल की शिक्षा प्रदान करने को कहा तथा तमिल भाषा की सराहना भी की। भाषा के मुद्दे, विशेष रूप से हिंदी 'थोपे जाने' के स्टालिन के आरोप को लेकर शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने बदलाव किए हैं और अब यह सुनिश्चित किया है कि सीएपीएफ के अभ्यर्थी अपनी क्षेत्रीय भाषा में परीक्षा दे सकें।

CISF के 56वें स्थापना दिवस पर कार्यक्रम को किया संबोधित

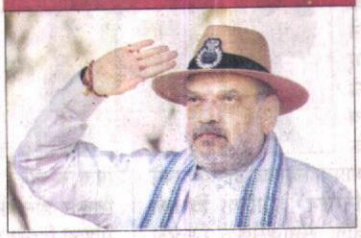

चेन्नई से करीब 70 किलोमीटर दूर रानीपेट में आरटीसी थक्कोलम में सीआईएसएफ के 56वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि परीक्षा में उत्तर पुस्तिका तमिल में भी लिखी जा सकेगी।' उन्होंने तमिलनाडु की सराहना करते हुए कहा कि राज्य की संस्कृति ने भारत की सांस्कृतिक धारा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शाह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'चाहे वह प्रशासनिक सुधार हो, आध्यात्मिक ऊंचाइयों को प्राप्त करना हो, शिक्षा हो या राष्ट्र की एकता और अखंडता हो, तमिलनाडु ने हर क्षेत्र में भारतीय संस्कृति को मजबूत किया है।'

कार्यक्रम में अर्द्धसैनिक बल की टुकड़ियों का 'मार्च पास्ट', योग प्रदर्शन और कमांडो अभियान का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने सीआईएसएफ के महानिदेशक राजविंदर सिंह भट्टी की उपस्थिति में बल की पत्रिका 'सेंटिनल' का विमोचन किया, एक जिम का उद्घाटन किया तथा 94.37 करोड़ रुपए की लागत की छह कल्याणकारी परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इससे पहले, उन्होंने सेवा के दौरान वीरगति को प्राप्त हुए सीआईएसएफ कर्मियों को पुष्पांजलि अर्पित की।